

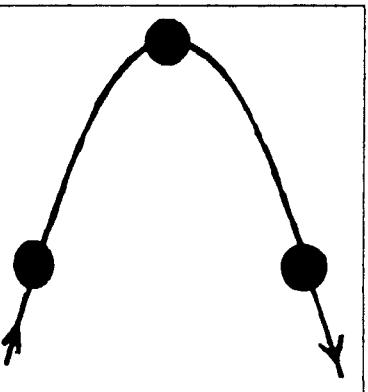
AMARTYA SEN

## Poverty and Famines An Essay on Entitlement and Deprivation

पात्रता और अभाव. . . . . 15

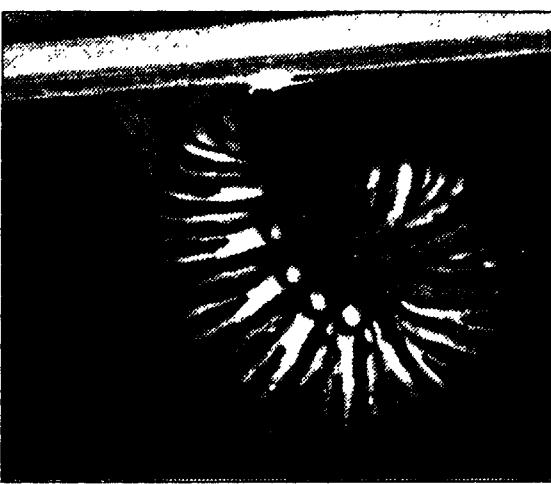
इस साल का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार मिला है अमर्त्य सेन को। पिछले तीन से भी अधिक दशकों से वे अकाल और गरीबी के अर्थशास्त्र का गहन अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने अपनी शोध में पाया है कि अकाल के संदर्भ में केवल खाद्यान्त उत्पादन में कमी की बात बेमानी है। बल्कि अकाल तो वहां भी पड़ सकते हैं जहां खाद्यान्त की उपलब्धता पर्याप्त हो। दरअसल अकाल की वजह कुछ और ही होती है। उन्हीं की एक प्रसिद्ध पुस्तक 'पॉवर्टी एंड फेमिन्स' का एक अध्याय जिसमें उन्होंने अकाल से जुड़े पहलुओं को उजागर किया है।

क्या हमारे विश्वास न्यूटन को न मानें . . 28



एक गेंद ऊपर की ओर फेंकी गई। चित्र में उसकी तीन अलग-अलग स्थितियां दिखाई गई हैं। गेंद की हर स्थिति पर तीर के निशान से दिखाओं की उस पर वहां जो बल लग रहा है उसकी दिशा क्या है? आपके पास शायद जवाब हो इस सवाल का। कोशिश तो कीजिए और देखिए इस सर्वे आधारित रिपोर्ट को जो ऐसे सवालों को लेकर हमारी समझ के बारे में कुछ बताती है।

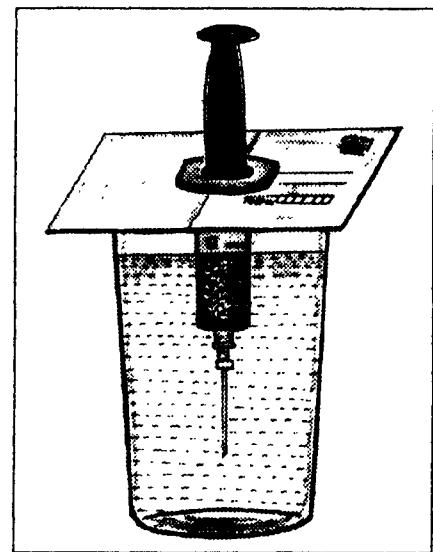
कायांतरण . . . . . 38



काया बदलते कीट – अंडे से लार्वा निकला, कुछ समय बाद एक शंखी में बदल गया, और फिर बाहरी आवरण फटा और अपने पंखों को झाड़ती एक तितली निकल आई। इस प्रक्रिया को कायांतरण कहते हैं। यकायक होने वाले इन परिवर्तनों के दौरान एक जीव पूरी तरह नष्ट हो जाता है और बनने वाला जीव उससे एकदम फर्क होता है।

## इस अंक में

आपने लिखा.....	4
चंद्रमा - 1 .....	11
अरविंद गुप्ते	
ज़रा सिर तो खुजलाइए.....	14
पात्रता और अभाव.....	15
अमर्त्य सेन	
क्या हमारे विश्वास न्यूटन को न मानें	28
अनीता रामपाल	
कायांतरण.....	38
सुशील जोशी	
सिकाडा किलर्स.....	50
किशोर पंवार	
आर्यभट्टीय.....	53
गुणाकर मुख्ले	
पानी में नाचता नमक का घोल.....	69
ए. दास	
दो संख्याएं, एक रेखा के ऊपर एक....	74
छाया दुबे	
धरती का कांपना.....	81
माधव केलकर	
ऊर्जा ही है सब कुछ.....	93
एस. बी. वेलणकर	
जादुई तालाब - एक और हल	101
प्रमोद मैथिल	
बच्चों का मौलिक लेखन.....	104
कमलेश चंद्र जोशी	
अनारको यमत लोक में ( कहानी )..	111
सत्यु	
बच्चे कैसे सीखते हैं.....	125
जॉन होल्ट	
केंचुए में प्रजनन.....	135
स्तिर्घा मित्रा	
इंडेक्स.....	139



**पानी में नाचता नमक . . . 69**

... कभी धार नीचे चलती है तो  
कभी धार ऊपर . . .। वजह पर तो  
अभी नहीं जा रहे लेकिन कैसे करें इस  
प्रयोग को यह देख रहे हैं इस बार।



**अनारको यमत लोक में . . . 111**

अनारको के सपने भी बस . . अनोखे  
ही होते हैं। लेकिन इस बार तो हद ही  
जो गई जब वो इस दुनिया को छोड़कर  
एक और ही दुनिया में चली गई –  
लेकिन वहां जाकर भी भला क्या वो  
प्रपनी शैतानियों से बाज आ सकती है।

**इस बार की कहानी।**